न्यूज डायरी

पाकिस्तान में 4850 से अधिक नए कोविड–19 मामले हुए दर्ज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बुधवार को 4,856 नए कोरोना वायरस मामले दर्ज किए गए, जिससे देश में अब तक कुल मामलों की संख्या 1,080,360 हो गई है। देश में पिछले 24 मामलों में 81 मौतें भी दर्ज की गईं। इसके साथ ही देश में मौत का आंकड़ा 24,085 तक पहुंच गया है। नेशनल कमांड एंड ऑपरेशन सेंटर्स के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को 64,690 कोविड–19 परीक्षण किए जाने के बाद 4,856 लोगों ने वायरस के लिए सकारात्मक परीक्षण किया। देश में सकारात्मकता दर 7.50 फीसद है। द न्यूज इंटरनेशनल ने इसे रिपोर्ट किया। देश में कुल सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 84,177 हो गई है, जबकि कुल 972,098 लोग अब तक इस वायरस से उबर चुके हैं। सिंध और खैबर पख्तूनख्वा के बाद मौतों के मामले में पंजाब सबसे ज्यादा प्रभावित प्रांत बना हुआ है। इसके अलावा, सिंध में 403,964, पंजाब में 367,054, खैबर पख्तूनख्वा में 149,532, इस्लामाबाद में 91,672, बलूचिस्तान में 31,298, गुलाम कश्मीर में 27,899 और पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित–बाल्टिस्तान में 8,941 मामलों की पुष्टि हुई है।

अपने नागरिकों को चीन में सजा सुनाए जाने पर भड़का कनाडा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ओटावा। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने चीन की कोर्ट द्वारा उनके नागरिक को सजा सुनाए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि ये किसी भी सूरत से स्वीकार्य नहीं है और ये अन्याय है। कनाडा के इस नागरिक का नाम मिशेल स्पेवोर है। मिशेल को चीन में वर्ष 2018 में डिटेन किया गया था। उनके ऊपर जासूसी के आरोप लगाए गए थे। चीन की कोर्ट ने उन्हें इस मामले में 11 वर्ष की सजा सुनाई है। मिशेल को मिली सजा पर पीएम ट्रूडो ने कहा है इसको स्वीकार नहीं किया जा सकता है। पीएम ट्रूडो ने कहा कि चीन ने ये फैसला उन्हें करीब ढाई वर्ष तक गैरकानूनी रूप से हिरासत में लिए जाने के बाद सुनाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि चीन की तरफ से इस मामले में किसी तरह की कोई पारदर्शिता नहीं बरती गई।

15 अगस्त को अमेरिका के टाइम्स स्क्वायर पर फहरेगा सबसे बड़ा तिरंगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) न्यूयार्क। भारत में स्वतंत्रता दिवस की 75 वीं वर्षगांठ को लेकर जबर्दस्त उत्साह है और जोरशोर से तैयारियां चल रही हैं। यही नहीं दुनिया के तमाम देशों में रहने वाले प्रवासी भारतीय भी स्वतंत्रता दिवस पर जोर–शोर से तैयारियां कर रहे हैं। इस दिन अमेरिका में बड़े पैमाने पर कार्यक्रम होंगे। इस बार अमेरिका में रहने वाले भारतीय टाइम्स स्क्वायर पर सबसे बड़ा तिरंगा फहराएंगे। भारतीय प्रवासियों के संगठन फेडरेशन आफ इंडियन एसोसिएशन (एफआइए) न्यूयार्क, न्यू जर्सी और कनेक्टिकट इस कार्यक्रम की मेजबानी कर रहा है। टाइम्स स्क्वायर के बिल बोर्ड पर स्वतंत्रता दिवस का 24 घंटे प्रदर्शन होगा। इसके अलावा अमेरिका में कई बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद न्यूयॉर्क गवर्नर का इस्तीफा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। न्यूयॉर्क गवर्नर एंड्र्यू कुओमो ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगने के बाद मंगलवार को अपने इस्तीफे की घोषणा की। कोविड–19 वैश्विक महामारी के सबसे बुरे दिनों में उनके नियमित विस्तृत प्रेस कान्फ्रेंस और नेतृत्व को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर सराहे जाने के एक साल के अंदर ही अब उन्हें इन आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। डेमोक्रेटिक नेता ने जानबूझ कर महिलाओं से दुर्व्यवहार करने से इनकार किया है। उन्होंने उनके इस्तीफे के लिए डाले जा रहे दबाव को राजनीति से प्रेरित बताया है। उन्होंने कहा कि इस बेहद मुश्किल राजनीतिक स्थिति में इन आरोपों पर जवाब देने और लड़ने से राज्य में कई महीनों तक संकट पैदा हो जाएगा। कुओमो ने टीवी पर प्रसारित संबोधन में कहा, सबसे बेहतर तरीका यह है कि मैं फिलहाल हट जाऊं और सरकार को शासन करने दूं।

समुद्री जंग की तैयारी में जुटा अमेरिका, चिंतित हुए चीन और रूस

रिक्टर पैमाने पर 3.9 तीव्रता का भूकंप किया गया दर्ज

तैयारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाशिंगटन। अमेरिका और चीन के तनाव के मध्य अमेरिकी नौसेना दुनिया के सबसे आधुनिक एयरक्राफ्ट करियर यूएसएस गोल्ड के पास तीसरी बार बड़ा विस्फोट किया है। यह धमाका इतना जबरदस्त था कि समुद्र के आस–पास का इलाका हिल गया। समुद्र में भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर 3.9 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। आखिर अमेरिकी नौसेना ने तीसरी बार इतना बड़ा विस्फोट क्यों किया। इस धमाके के पीछे अमेरिका क्या मकसद है। धमाके की ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस बार समुद्र में 3. 9 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया।

चीन और रूसी नौसेना को दे रहा है चुनौतीः प्रो. हर्ष पंत का कहना है कि यह विस्फोट अमेरिका के समुद्री जंग की तैयारी का एक प्रस्तुतिकरण है। उन्होंने कहा कि जिस्स तरह से दक्षिण चीन सागर और हिंद प्रशांत

क्षेत्र में चीन अपने प्रभुत्व का प्रयास कर रहा है। काला सागर में रूस से चुनौती मिल रही है। ऐसे में अमेरिका का यह कदम प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष चीन और रूस के समक्ष अपनी नौसेना की शक्ति का प्रदर्शन है। अमेरिका इस तरह के परीक्षण करके चीन और रूस पर समान रूप से दबाव बना रहा है। अमेरिकी नौसेना के इस शक्ति प्रदर्शन से यह साफ हो गया है कि यदि उसके समुद्री हितों में कहीं भी कोई रोड़ा बनता है तो उसे अमेरिका के इन बड़े विस्फोटों से गुजरना होगा।

एयरक्राफ्ट करियर के युद्धक क्षमताओं की जांच कर रहा है यूएसः धमाके से पैदा हुई शॉक के कारण 333 मीटर लंबा और 1 लाख टन डिस्प्लेसमेंट वाला यह एयरक्राफ्ट कैरियर बुरी तरह से कांपने लगा। यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड के पास कुल तीन शॉक ट्रायल किए गए हैं। अमेरिकी नौसेना इस एयरक्राफ्ट करियर के युद्धक क्षमताओं की जांच की जा रही है। प्रत्येक विस्फोट पहले वाले से कम दूरी पर किया गया है। इसके बाद नौसैनिक पूरे एयरक्राफ्ट कैरियर के हर उपकरणों की जांच की जा रही है। बता दें कि युद्ध के दौरान दुश्मन के हमलों से बचने के लिए ऐसे परीक्षणों का आयोजन कर अपनी ताकत की जांच की जाती है।

40000 पाउंड का था विस्फोटकः इस दौरान एयरक्राफ्ट कैरियर से कुछ सौ मीटर की दूरी पर 40000 पाउंड के बम का विस्फोट करवाया गया। अमेरिकी नौसेना ने बताया कि उसका तीसरा विस्फोट फ्लोरिडा के पास सेंट ऑगस्टीन बीच के पास किया गया। विस्फोट के कारण जहाज पर कोई हताहत नहीं हुआ और मामूली मेंटीनेंस के बाद शॉक से पैदा हुई परेशानियों को दूर किया जा सकता है। यूएसएस गेराल्ड ऑर फोर्ड के कमांडिंग ऑफिसर ने कहा कि इसने अनुमान से कम नुकसान किया। फरवरी में यूएसएस गेराल्ड ऑर फोर्ड की कमान संभालने वाले कैप्टन पॉल लैंजिलोट्टा ने कहा जो कुछ भी मुझे अभी तक रिपोर्ट किया गया है उसके अनुसार करियर को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा है।

तालिबान आतंकी अब धीरे–धीरे काबुल की ओर बढ़ रहे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। अफगानिस्तान में अमेरिकी सेनाओं की वापसी के बाद अब तालिबान आतंकी एक के बाद एक जीत हासिल करके आगे बढ़ते ही जा रहे हैं। तालिबान आतंकियों ने मात्र 5 दिन के अंदर अफगानिस्तान की 8 प्रांतीय राजधानियों पर कब्जा कर लिया है। इसके साथ ही अफगानिस्तान के 65 फीसदी इलाके पर अब तालिबान का कब्जा हो गया है। इसमें निमरूज प्रांत की राजधानी जारंज भी शामिल है। यह वही शहर है जहां पर भारत ने करोड़ों रुपये खर्च करके आधुनिक सिल्क रोड का सपना देखा था।

अब तालिबानी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के निर्देशन में मजार–ए–शरीफ पर बम बरसा रहे हैं और उनका अगला लक्ष्य देश की राजधानी काबुल है। भारत ने ईरान के चाबहार बंदरगाह के रास्ते जारंज शहर होते हुए मध्य एशिया के तेल और गैस समृद्ध देशों तजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान से जुड़ने का सपना देखा था। जारंज शहर अफगानिस्तान में भारत के लिए प्रवेश द्वार था। भारत ने ईरान से अफगानिस्तान के जारंज शहर तक के लिए करोड़ों रुपये खर्च के बेहतरीन सड़क बनाई थी। भारत नए सिल्क रोड के लिए जारंज को हब बनाना चाहता था।

रॉकेट से 7 लोगों के लिए भेजा गया पिज्जा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर सप्लाई पहुंचाने के लिए एक रॉकेट रवाना हुआ है। इस बार आईएसएस पर मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस में पिज्जा खाने का मौका मिलेगा। Northrop Grumman का रॉकेट स्पेस स्टेशन पर सात लोगों के लिए पिज्जा लेकर रवाना किया गया है। कंपनी का Cygnus Cargo Ship जहाज वर्जिनिया के पूर्वी तट से रवाना हुआ। यह गुरुवार तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचेगा। करीब 8200 पाउंड यानी 3700 किग्रा शिपमेंट में सात स्टेशन अंतरिक्ष यात्रियों के लिए एक पिज्जा किट और चीज स्मोर्गसबॉर्ड के साथ फ्रेश सेब, टमाटर और कीवी शामिल हैं।

तालिबान के सामने फेल हुए अफगान सेना प्रमुख, अब्दुल गनी सरकार ने किया बर्खास्त

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काबुल। तालिबान आतंवादियों के बढ़ते हमलों को रोकने में नाकाम रहे अफगानिस्तान की सेना के प्रमुख जनरल वली मोहम्मद अहमदजई को अब्दुल गनी सरकार ने बर्खास्त कर दिया है। उनकी जगह पर जनरल हैबतुल्ला अलीजई को अगला सेना प्रमुख नियुक्त किया गया है। जनरल वली को ऐसे समय पर बर्खास्त किया गया है जब तालिबान आतंकी देश के 65 फीसदी इलाके पर कब्जा कर चुके हैं। यही नहीं शुक्रवार के बाद से अब तक अफगानिस्तान के नौ प्रांतों की राजधानियों पर तालिबान का कब्जा हो गया है।

बाइडन ने सैनिकों की वापसी में बदलाव से इनकार किया

अफगानिस्तान की एरियाना न्यूज ने सूत्रों के हवाले से सेना प्रमुख को बर्खास्त किए जाने की पुष्टि की है। इस तनावपूर्ण हालात को देखते हुए राष्ट्रपति अशरफ गनी मजार–ए–शरीफ के दौरे पर पहुंचे हैं जहां वह अफगानिस्तान के बूढ़े शेर कहे जाने वाले अब्दुल रशीद दोस्तम के साथ मिले हैं। तालिबान ने पहले ही देश के ग्रामीण इलाकों पर कब्जा कर लिया है और अब उसने शहरों पर कब्जा तेज कर दिया है। अफगान सुरक्षा बल तालिबानी हमलों के सामने बेबस नजर आ रहे हैं और आत्मसमर्पण कर रहे हैं।

एक स्थानीय सांसद ने बताया कि कूंदूज शहर में सैकड़ों की संख्या में अफगान सैनिकों ने तालिबान आतंकियों के सामने हथियार डाल दिए हैं। तालिबान ने कूंदूज शहर के एयरपोर्ट पर भी कब्जा कर लिया है। तालिबान आतंकी अब मजार–ए–शरीफ पर कब्जा करने में लग गए हैं। इस बीच हेरात शहर के गवर्नर ने कहा है कि तालिबान आतंकियों ने उनके शहर पर भीषण हमला किया था जिसे नाकाम कर दिया गया है।

तालिबान के अफगानिस्तान के बड़े हिस्सों में काबिज होने के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अफगानिस्तान से सैनिकों की वापसी के कार्यक्रम में किसी भी तरह के परिवर्तन की संभावना से इनकार किया है।

अफगानिस्तान के 67 साल के इस बूढ़े शेर की दहाड़ सुनिए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान के बढ़ते हमलों के आगे अफगान सेना की लगातार हार होती जा रही है। इस बीच अफगान सेना और लोगों का हौसला बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति अशरफ गनी खुद ही राज्यों के दौरे पर निकल गए हैं। बुधवार को उन्होंने बल्ख प्रांत की राजधानी मजार–ए–शरीफ में सैन्य और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। इस बैठक में मौजूद मजार–ए–शरीफ के शेर के नाम से मशहूर मार्शल अब्दुल रशीद दोस्तम ने उत्तर अफगानिस्तान से तालिबान के सफाए की कसम खाई है।

अफगानिस्तान के पूर्व उपराष्ट्रपति रह चुके दोस्तम ने कहा कि देश के उत्तरी हिस्सों से तालिबान का सफाया कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि तालिबान के पास बचने का कोई रास्ता नहीं है। दोस्तम की मिलिशिया अफगान सेना के साथ मिलकर तालिबान के खिलाफ युद्ध लड़ रही है। इससे पहले भी 1990 और 2001 के दौरान अब्दुल रशीद दोस्तम ने बल्ख प्रांत से तालिबान का सफाया कर दिया था।